Diamond

SKILL IN TEACHING
LESSON NOTE-BOOK

For

D.Ed. Class

Session - ..... D.Ed. End

पर्यावरण (सामाजिक अध्ययन) शिक्षण

LESSON NO. : 1

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 6th Date 11/08/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic सौरमंडल में पृथ्वी Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक, संकेतक आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1.) छात्रों में सामाजिक अध्ययन के प्रति रूचि जाग्रत करना।
(2.) छात्रों का सामाजिक व मानसिक विकास करना।
(3.) छात्रों को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता बताना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

(1.) छात्र सूर्य के बारे में जान सकेंगे।

(2.) छात्र ग्रहों के बारे में समझ सकेंगे।

(3.) छात्रो को सौरमंडल के बारे में बताना।

(4.) पृथ्वी अन्य ग्रहों से कैसे भिन्न है उसके बारे में छात्रों को बताना।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र० स०	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	पृथ्वी पर ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत कौन है?	सूर्य
(2.)	सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने वाले पिण्डों को क्या कहते है?	ग्रह
(3.)	कौन-सा ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन सम्भव है?	पृथ्वी
(4.)	पृथ्वी, सूर्य तथा सूर्य के अन्य ग्रहों के समूह को क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चों आज हम "सौरमंडल में पृथ्वी" नामक पाठ का विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
सूर्य का बनना	करोड़ो वर्ष पहले आकाश में गैसों तथा धूल के कणों का एक पिण्ड तैर रहा था। एक बार इसका एक विशाल भाग टूटकर अलग हो गया, आगे चलकर यही सूर्य बना और एक जलता हुआ पिण्ड था		

ग बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	जिसके चारों तरफ धूल और गैस का एक छल्ला सा बन गया, इसी छल्ले से बाद में ग्रह बने।		
ग्रहों के नाम	सूर्य के आठ ग्रह है - बुध, शुक्र, बृहस्पति, मंगल, शनि, पृथ्वी, अरुण, वरुण। पृथ्वी का अपना एक उपग्रह है, जिसको हम चन्द्रमा कहते है।		सूर्य के आठ ग्रह है - बुध शुक्र मंगल शनि बृहस्पति पृथ्वी अरुण वरुण
चक्कर लगाना	पृथ्वी और उसके साथी ग्रह सूर्य का चक्कर लगाते है और उनका चक्कर उपग्रह लगाते है, सूर्य तथा उसके ग्रह और उनके उपग्रह मिलकर सौर परिवार बनाते हैं।		
पृथ्वी के एक अनोखा ग्रह	हमारी पृथ्वी आठों ग्रहों में सबसे अनोखा ग्रह है। यही एक ऐसा ग्रह है जिसपर हवा, पानी, पेड़, और जीवन है। अन्य ग्रह या तो मरुस्थल है या बर्फ और गैसों के गोले। पृथ्वी जब सूर्य से अलग हुई तब यह आग का दहकता गोला था। करोड़ों वर्ष बाद यह ठण्डी हुई फिर इसपर महाद्वीप, पर्वत, नदियाँ आदि बने।	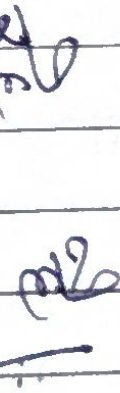	पृथ्वी ही एक ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन सम्भव है।

निरीक्षित कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अ
कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओ
घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) पृथ्वी का उपग्रह कौन-सा है?

(2.) सूर्य के कितने ग्रह है?

गृह कार्य :-

(1.) पृथ्वी को एक अनोखा ग्रह क्यों कहा जाता है?

(2.) सूर्य का निर्माण कैसे हुआ?

LESSON NO. : 2

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 6th Date 16/08/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic विविधता की समझ Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक, संकेतक, चार्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1.) छात्रों में सामाजिक अध्ययन के प्रति रूचि जाग्रत करना।
(2.) छात्र नागरिकों के अधिकारों एवं कर्तव्य से अवगत होंगे।
(3.) छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना।
(4.) छात्र देश की राजनीतिक तथा सामाजिक व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को विविधता के बारे में ज्ञान प्रदान करना।

बोधात्मक उद्देश्य :- छात्र विविधता के लाभों को समझ सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्र भिन्न-2 प्रकार की ~~ब~~ भाषाओं के बारे में बता पाएगें।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र० सं०	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	बच्चों हमारे देश का क्या नाम है?	भारत
(2.)	भारत में मुख्य रूप से कौन-2 से धर्म के लोग रहते है?	हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आदि।
(3.)	इन धर्मों के लोग एक-दूसरे से कैसे भिन्न है?	भाषा, रहन-सहन, खान-पान आदि
(4.)	इस प्रकार की भिन्नताओं का क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चों आज हमलोग 'विविधता की समस्या' नामक पाठ का विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
विविधता की समझ	स्पष्टीकरण :- भारत विविधताओं का देश है। वास्तव में विविधता का अर्थ असमानता से है, परंतु यहां असमानता से हमारा तात्पर्य		

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	हमारी पोशाक, हमारी भाषा, हमारा खाना - पीना, अलग - अलग प्रकार से है। वास्तव में यहीं विविधता है। इतनी विविधता होने पर भी हममें एकता है इसका कारण यहाँ की राष्ट्रीयता तथा आध्यात्मि - कता है।	सभी छात्र ध्यापूर्वक सुन रहे है।	भारत एक विविधता में एकता का देश है।
धर्म	भारत में कई धर्मों के लोग रहते हैं जैसे - हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आदि।		हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई
भाषा	भारत की मुख्य भाषा हिन्दी है लेकिन सभी राज्यों की अपनी भाषा है, जैसे - उत्तर प्रदेश - हिंदी, पंजाब - पंजाबी, कर्नाटक - तेलगू आदि।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	
खान-पान	भारत में खान-पान और महनावों में भी अन्तर है।		

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारो ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) भारत की मुख्य भाषा क्या है?

(2.) भारत में मुख्य रूप से कौन-2 से धर्म के लोग रहते है?

गृह कार्य :-

(1.) विविधता से आप क्या समझते है?

LESSON NO. : 3

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 6th Date 19/08/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic क्या, कब, कहाँ और कैसे ? Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, डाइन, श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक, संकेतक, चार्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1.) छात्रों में सामाजिक अध्ययन के प्रति रूचि जाग्रत करना।
(2.) छात्रों में इतिहास विषय के प्रति जागरूकता पैदा करना।
(3.) छात्रों में सामाजिक नागरिकता का विकास करना।
(4.) छात्रों को सामाजिक विज्ञान की दैनिक जीवन में उपयोगिता बतना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को ऐतिहासिक विधि का ज्ञान कराना।

बोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को क्या, कब, कहाँ और कैसे के बारे में बताना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों ~~को~~ अतीत के बारे में प्राप्त की गई जानकारी के बारे में बता पायेंगे।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र० सं०	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	आदिकाल में मानव का विकास कैसे हुआ?	बन्दरों से
(2.)	आदिकाल में लोग कहाँ रहते थे?	गुफाओं और पे के घरों में
(3.)	आदिकाल का समय कब से कब तक था?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चों! आज हमलोग 'क्या, कब, कहाँ और कैसे' नामक पाठ को विस्तार से पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
इतिहास	किसी समाज या राष्ट्र के इतिहास के अध्ययन द्वारा हम उस समाज या राष्ट्र के अतीत को जान सकते है, यहाँ अतीत से हमारा तात्पर्य किसी भी देश के सभ्यता और संस्कृत से है। अतीत के बारे में हम बहुत कुछ जान सकते है,	सभी छात्र ध्यानपुर्वक सुन रहे है	

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
जैसे - लोग क्या खाते थे? कैसे कपड़े पहनते थे? विकासात्मक प्रश्न :- इतिहास का जनक किसे कहा जाता है? हेरोडोटस	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	इतिहास का जनक हेरोडोटस को कहा जाता है।
मानव जाति के इतिहास की जानकारी हमें स्त्रोतों से मिलती है। इनमें से एक स्त्रोत अतीत में लिखी गई पुस्तके है। इनमें राजाओं और आम लोगों के जीवन, धार्मिक विचार एवं मान्यताएँ, औषधियों तथा विज्ञान आदि विषयों की जानकारी मिलती है, ये पुस्तके हाँथ से लिखित होने के कारण पाण्डुलिपि कही जाती है।		माण्डुलिपि भूर्ज नामक पेड़ की छाल तथा ताड़के पत्ते से बनाई से तैयार की जाती है।
इतिहास को तीन कालखण्डों में बाँटा गया है। (1) प्रागैतिहासिक काल (2) अद्य ऐतिहासिक काल (3) ऐतिहासिक काल	सभी छात्र कॉपी में लिख रहे है।	इतिहास को तीन कालखण्डों में बाँटा गया है - (1) प्रागैतिहासिक काल (2) अद्य ऐतिहासिक काल (3) ऐतिहासिक काल
पाण्डुलिपि किस चीज से तैयार की जाती है? भूर्ज नामक पेड़ की छाल तथा ताड़के पत्ते से		

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापक उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेंगे।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) इतिहास के पिता किसे कहा जाता है?

(2.) पाण्डुलिपियों को कैसे बनाया जाता था?

गृह कार्य :-

(1.) इतिहास को कितने काल खण्डों में बाँटा गया है? व्याख्या करो।

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 6th Date 23/08/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic लोकतांत्रिक सरकार के मुख्य तत्व Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, झाड़न, ब्लैकबोर्ड, संकेतक, पाठ्यपुस्तक, चार्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1.) छात्रों में लोकतांत्रिक नागरिकता का विकास होगा।
(2.) छात्रों में सामाजिक अध्ययन के प्रति रूचि जाग्रत करना।
(3.) छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना।
(4.) छात्रों को सामाजिक विज्ञान की दैनिक जीवन में उपयोगिता बताना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

(1.) छात्रों को लोकतांत्रिक सरकार की जानकारी देना।

(2.) छात्रों को लोकतांत्रिक सरकार के मुख्य तत्वों से अवगत कराना।

(3.) छात्र लोकतांत्रिक सरकार के विभिन्न जरूरतों से अवगत होंगे।

(4.) छात्र लोकतांत्रिक सरकार की अच्छाइयों को जान सकेंगे।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र स.	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	बच्चों हम किस देश में रहते है?	भारत में
(2.)	भारत में सरकार चुनने का अधिकार किसके पास है?	जनता के पा
(3)	जनता द्वारा चुनी गई सरकार को क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

बच्चों आज हम सब "लोकतांत्रिक सरकार के मुख्य तत्व" के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
लोकतंत्र	लोकतंत्र का शाब्दिक अर्थ "लोगों का शासन" लोकतंत्र की परिभाषा के अनुसार जनता द्वारा जनता के लिए, जनता का शासन है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
लोकतांत्रिक सरकार के प्रमुख तत्व	लोकतांत्रिक सरकार के चार तत्व है। ① न्याय, ② भागीदारी, ③ विवादों का समाधान, (4) समानता। **न्याय :-** आजादी के बाद सरकार ने समाज से अन्याय हटाने के लिए नीतियां कुछ बनाई। हर नागरिक को सम्मान रूप से देखना सरकार की ~~भागीदार~~ जिम्मेदारी बनती है **भागीदारी :-** लोगों के पास लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सरकार के गठन में भागीदारी के अलावा और भी तरीके है जैसे विरोध प्रदर्शन और बहस **विवादों का समाधान :-** विवाद हमारे जीवन का ~~संविधान~~ अभिन्न अंग होते हैं, सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि विवाद का समाधान शांतिपूर्वक हो। **समानता :-** भारत में सामाजिक असमानता का एक लंबा इतिहास रहा है, सरकार की यह भी जिम्मेदारी है कि सभी को समानता का अधिकार प्राप्त हो।	I II III IV	लोकतांत्रिक सरकार के 4 तत्व है - (1.) न्याय (2.) भागीदारी (3.) विवादों का समाधान (4.) समानता

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) लोकतंत्र से आप क्या समझते है?

भारत लोकतांत्रिक देश है या राजतांत्रिक ?

गृह कार्य :-

लोकतांत्रिक सरकार के मुख्य तत्व कौन-2 से है?

लोकतंत्र में समानता से आप क्या समझते हैं?

LESSON NO. : 5

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 6th Date 26/08/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic आखेट - खाद्य संग्रह से भोजन उत्पादन तक Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक, संकेतक, चार्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1.) छात्रों में सामाजिक कुशलता का विकास करना।
(2.) छात्रों में ऐतिहासिक दृष्टिकोण का विकास करना।
(3.) छात्रों में सामाजिक अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को मानव के आरंभिक जीवन शैली के बारे में बताना।

बोधात्मक उद्देश्य :- मानव के कृषक और पशुपालक बनने की प्रक्रिया को छात्रों के सामने रखना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- आरंभिक मानव ने अपने विकास के लिए जो कार्य किए उससे छात्रों को परिचित कराना।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र. स.	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	मानव सर्वप्रथम भोजन कैसे प्राप्त करता था?	जानवरों का शिकार करके
(2)	प्रारंभिक मानव इधर-उधर क्यों घूमते थे?	खाने-पीने की तलाश में
(3.)	मानव से ने सर्वप्रथम किस फसल को उगाया?	गेहूँ और जौ
(4.)	खाद्य संग्रह और भोजन उत्पादन से आप क्या समझते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

बच्चों! आज हमलोग हमारे अतीत नामक पाठ्य पुस्तक से "आखेट खाद्य संग्रह से भोजन उत्पादन तक" नामक पाठ का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट [illegible]
आरंभिक मानव	हम उन लोगों के बारे में जानते है, जो इस उपमहाद्वीप में बीस लाख साल पहले रहा करते थे।		

मुख्य बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	आज हम उन्हें आखेटक - खाद्य संग्राहक के नाम से जानते है।		आखेटक का मतलब शिकारी
खेती और पशु पालन की शुरुआत	लोगों का ध्यान कुछ बातों की ओर गया जैसे खाने योग्य वनस्पति कहाँ से मिल सकती है, बीजों का भण्डारण करना तथा उनकी सुरक्षा करना सीख गए उसके बाद उन्होंने कुछ जानवरों को पालना शुरू कर दिया जिससे वे कृषक और पशु - पालक बन गए।		
जानवर चलते फिरते खाद्य भंडार	जानवर बच्चे देते हैं जिससे उनकी संख्या बढ़ती है। अगर जानवरों की देखभाल की जाए तो उनसे दूध, मांस जैसी खाद्य सामग्री प्राप्त हो सकती है।		

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेंगी।

मूल्यांकन कार्य :-

आखेटक का अर्थ बताइए।

आरंभिक लोग कहाँ निवास करते थे?

गृह कार्य :-

कृषकों - पशुपालकों का जीवन आखेटकों के जीवन से कितना भिन्न था, तीन अंतर बताओ?

LESSON NO. : 5

Pupil Teacher's Roll No. 16
Name निशा
Class 7th
Date 30 | 08 | 2020
Subject सामाजिक विज्ञान
Period
Topic समानता
Duration of Period

सहायक सामग्री :- चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक, संकेतक आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1.) छात्र नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों से अवगत हो सकेंगे।
(2.) छात्रों में लोकतांत्रिक नागरिकता का विकास करना।
(3.) छात्र देश की सामाजिक व राजनीतिक अवस्था का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- ① छात्र आदर्श नागरिक का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
② छात्रों में समानता की भावना उत्पन्न होगी।

बोधात्मक उद्देश्य :- ① छात्रें समानता का ज्ञान प्राप्त करके उसका नवीन परिस्थितियों में उपयोग कर सकेंगे।
② छात्र समानता की व्याख्या कर सकेंगे।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र० सं०	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	बच्चे विद्यालय में क्यों जाते हैं?	शिक्षा प्राप्त करने
(2.)	लड़कों को अच्छी शिक्षा देना तथा लड़कियों को अच्छी शिक्षा नहीं देना क्या कहलाता है?	भेदभाव
(3.)	लड़के और लड़कियों में भेदभाव न करने को क्या कहेंगे?	समानता
(4.)	समानता के बारे में विस्तार से बताइए?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चों! आज हम सब 'समानता' के विषय में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

विश्लेषण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
लोकतंत्र	लोगों के, लोगों के द्वारा और लोगों के लिए शासन को लोकतंत्र कहते हैं। प्रश्न - सभी लोकतंत्रों का आवश्यक पहलू क्या है? सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
नता	समानता से अभिप्राय विशेषाधिकारों का अंत और राज्य में रहने वाले सभी लोगों को समान अवसर प्रदान करना है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	
प्रौमिक स्क धिकार	राज्य के सभी वयस्क नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के समान रूप से मत डालने का अधिकार देना सार्वभौमिक मताधिकार है। प्र०- भारत में किस आयु से ऊपर के व्यक्ति को मत देने का अधिकार प्राप्त है? उत्तर - 18 वर्ष।		18 वर्ष
विधान	संविधान लिखित अथवा अलिखित नियमों तथा अधिनियमों का वह समूह होता है जिनके अनुसार राज्य का शासन चलाया जाता है। प्र०- भारतीय ..... सब व्यक्तियों को समान मानता है? उत्तर-संविधान।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	संविधान

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी पाठ्यपुस्तक (कॉपी) में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी तथा आवश्यकता अनुसार उनकी सहायता करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) समानता का क्या अर्थ है ?

(2.) लोकतंत्र में सभी को कैसा अधिकार प्राप्त है।

गृह कार्य :-

(1) भारतीय समाज में समानता को समझाइए ?

LESSON NO. : 7.

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 7th Date 03/07/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic पर्यावरण Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट, संकेतक, माइमपुस्तक चार्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1.) छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
(2) छात्रों का सामाजिक व मानसिक विकास करना।
(3.) छात्रों को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता बताना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को भौगोलिक तथ्यों का ज्ञान कराना।

बोधात्मक उद्देश्य :- छात्र पर्यावरण के अध्ययन के प्रति रूचि ले सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-
① छात्र पर्यावरण के विषय में सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न कर सकेंगे।
(2) छात्र पर्यावरण की व्याख्या कर सकेंगे।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र० स०	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	सौर मंडल में कितने ग्रह है?	आठ
(2.)	मनुष्य किस ग्रह पर रहता है?	पृथ्वी पर
(3.)	पृथ्वी पर मनुष्य किन - किन चीजों से घिरा है?	वायु, जल, मिट्टी पेड़-पौधे आदि
(4.)	ये सभी साथ मिलकर क्या कहलाते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चो ! आज हम सब 'पर्यावरण' के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
पर्यावरण का अर्थ	पर्यावरण दो शब्दों से मिलकर बना है- परि + आवरण। परि का अर्थ है चारों ओर तथा आवरण का अर्थ है घिरा हुआ। अर्थात हम सब जिस सजीव या निर्जीव वस्तुओं से घिरे हुए है वही हमारा पर्यावरण है तथा ये सभी वस्तुएं पर्यावरण का अंग है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	परि का अर्थ → चारों ओर, आवरण का अर्थ → घिरा हुआ

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
पर्यावरण मुख्य रूप से दो प्रकार के होते है। ① सामाजिक पर्यावरण ② प्राकृतिक पर्यावरण सामाजिक पर्यावरण का मुख्य घटक मानव समाज से है। प्राकृतिक पर्यावरण प्राकृतिक घटकों पर आधारित है। जलमंडल, वायुमंडल, स्थलमंडल तथा जैवमंडल सभी पर्यावरण के प्राकृतिक घटक है। पर्यावरण के मानवीय घटक ⇒ एक व्यक्ति, परिवार, समुदाय, धर्म, शैक्षिक, आर्थिक, राजनैतिक स्थिति आदि। पृथ्वी की ऊपरी कठोर परत को स्थल मंडल कहते हैं। वह संकीर्ण क्षेत्र जहाँ, स्थल, जल एवं वायु पारस्परिक क्रिया करते है। पृथ्वी को घेरने वाली वायु की चादर। पृथ्वी पर जल का क्षेत्र।	पर्यावरण मुख्य रूप से दो प्रकार के होते है (1.) सामाजिक पर्यावरण (2.) प्राकृतिक पर्यावरण	

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) पर्यावरण किसे कहते हैं?
(2.) वायुमंडल क्या है?

गृह कार्य :-

(1.) पर्यावरण के प्राकृतिक घटक कौन-से है?
(2.) स्थलमंडल क्या है?

LESSON NO. : 8

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 7th Date 07/09/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic हमारी पृथ्वी के अंदर Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट, संकेतक, चार्ट, पाठ्यपुस्तक आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता बताना।
(2) छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
(3) छात्रों का सामाजिक व मानसिक विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को पृथ्वी के बारे में ज्ञान प्राप्त कराना।

बोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को पृथ्वी की परतों के बारे में बोध होगा।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्र पृथ्वी तथा उसकी परतों के बारे में बता पायेंगे।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र० सं०	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	बच्चों हम किस ग्रह पर रहते हैं?	पृथ्वी पर
(2.)	हमारी पृथ्वी के अंदर क्या-2 हैं?	पेड़-पौधे, जीव-जंतु,
(3.)	बच्चो हमारी पृथ्वी की परतों के बारे में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चों! आज हम सब 'हमारी पृथ्वी के अंदर' पाठ के बारे में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
पृथ्वी	यह एक ग्रह है जिस पर मनुष्य, जीव-जंतु, पेड़-पौधे, जल, वायु आदि है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	भूपर्पटी :-
भूपर्पटी	यह पृथ्वी की सबसे बाहरी तथा पतली परत है। इसकी औसत मोटाई 5 से 40 किलोमीटर तक है।		यह पृथ्वी की सबसे बाहरी तथा पतली परत है।

छात्राध्यापिका क्रिया

यह भूपर्पटी तथा क्रोड के बीच की परत है। इसकी मोटाई लगभग 2900 km है। इसके दो भाग हैं - ऊपरी मेंटल तथा निचला मेंटल

यह पृथ्वी की सबसे अंदर की परत है। धातुओं से बनी होने के कारण इसे धात्विक क्रोड भी कहते हैं।

स्थलमंडल की परत भूपर्पटी तथा ऊपरी मेंटल से मिलकर बनी है।

खनिज वे प्राकृतिक पदार्थ हैं जो किसी एक तत्व या विभिन्न तत्वों के मेल से बने है।

शैलों की परतों में दबे मृत पौधों और जीव-जंतुओं के अवशेषों को जीवाश्म कहते हैं।

प्राकृतिक रूप से पाये जाने वाले खनिजों के मिश्रण को शैल कहते हैं। उद्गम के आधार पर ये तीन प्रकार की होती हैं-
आग्नेय, अवसादी तथा कायांतरित।

छात्र क्रिया

श्यामपट्ट कार्य

क्रोड →

यह पृथ्वी की सबसे अंदर की परत है। धातुओं से बनी होने के कारण इसे धात्विक क्रोड भी कहते है।

शैल →

प्राकृतिक रूप से पाये जाने वाले खनिजों के मिश्रण को शैल कहते हैं।

निरीक्षण कार्य :-

~~अच्छम~~ ~~ब~~ जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) पृथ्वी की सबसे भीतरी परत कौन - सी है?
(2.) तीन प्रकार की शैलों के नाम बताएं?

गृह कार्य :-

शैल क्या है? विभिन्न प्रकार की शैलों का निर्माण कैसे होता है?

LESSON NO. 1

Pupil Teacher's Roll No. 16 — Name निशा

Class 7th — Date 19/07/2020

Subject सामाजिक विज्ञान — Period

Topic संचार माध्यमों को समझना — Duration of Period

सहायक सामग्री :- चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, संकेतक, पाठ्यपुस्तक, चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों को सामाजिक विकास की उपयोगिता बताना।
(2) छात्रों का मानसिक व सामाजिक विकास करना।
(3) छात्र देश की राजनीतिक तथा सामाजिक व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को संचार का अर्थ बताना।

बोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को विभिन्न प्रकार के संचार के माध्यमों के बारे में बताना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- संचार के माध्यम व तकनीकी में संबंध को बता सकेंगे।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र.स.	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	पहले के समय में संदेश कैसे पहुँचता था?	पत्र द्वारा
(2.)	आजकल हम संदेश किन माध्यमों से भेजते है?	मोबाईल टेलीफोन आदि
(3.)	पहले और अब के संचार के साधनों में क्या अन्तर है?	तेजी, सुरक्षा आदि
(4.)	संचार के माध्यमों से आप क्या समझते है? विस्तार पूर्वक बताइए?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- बच्चों आज हमलोग 'संचार माध्यमों को समझना' नामक पाठ के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
संचार के माध्यम	एक स्थान से दूसरे स्थान तक संदेश या सूचना को पहुँचाने के माध्यम को संचार के साधन कहते है।		

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
जैसे - T.V., रेडियो, समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, कम्प्यूटर, मोबाइल फोन आदि।		एक स्थान से दूसरे स्थान तक संदेश या सूचना पहुँचाने के माध्यम को संचार के साधन कहते है।
आपके लिए संभवतः संचार माध्यम के बिना अपने जीवन की कल्पना करना भी कठिन होगा। लेकिन T.V. और इंटरनेट के विस्तृत उपयोग हाल ही में शुरू हुए है। इन्हे प्रचलन में आए अभी 20 वर्ष भी नहीं हुए हैं। तकनीक तथा मशीनों को बदल कर अत्याधुनिक बनाने से संचार माध्यमों को अधिक लोगों तक पहुँचने में मदद मिलती है इससे ध्वनि और चित्र की गुणवत्ता में सुधार आता है।		जैसे → रेडियो, T.V., समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, कम्प्यूटर, मोबाइल फोन आदि।

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) मीडिया शब्द से क्या समझते है?

(2.) किन्ही दो संचार साधनों के नाम बताइए।

गृह कार्य :-

(1.) संचार माध्यमों को विस्तार पूर्वक लिखकर लाना है?

LESSON NO. : 10

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 7th Date 15/09/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic मुगल साम्राज्य Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट, संकेतक, पाठ्यपुस्तक, चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों को सामाजिक विज्ञान की उपयोगिता बताना।
(2) छात्रों का मानसिक व सामाजिक विकास करना।
(3) छात्रों में इतिहास विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

छात्रों को मुगल साम्राज्य व मुगल शासकों के बारे में जानकारी देना।

बोधात्मक उद्देश्य :-

छात्र मुगल साम्राज्य का आकलन कर सकेंगे तथा उसको समझ सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

छात्र मुगल साम्राज्य के प्रति ऐतिहासिक दृष्टिकोण अपना सकेंगे।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र. सं.	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	भारत के प्रमुख धरोहर कौन-२ से है?	ताजमहल, लालकिला आदि।
(2.)	लाल किला का निर्माण किसने करवाया था?	शाहजहाँ ने
(3.)	शाहजहाँ किस साम्राज्य का शासक था?	मुगल साम्राज्य
(4.)	मुगल साम्राज्य को विस्तार से बताओ	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

बच्चों आज हमलोग 'मुगल साम्राज्य' के बारे में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
बाबर	जहीरुद्दीन बाबर, जो बाबर के नाम से विख्यात हुए, उनका जन्म मध्य एशिया के वर्तमान उज्बेकिस्तान में हुआ था। बाबर ने सन् 1526 ई. में दिल्ली सल्तनत के सुल्तान के अंतिम सुल्तान इब्राहिम लोदी को हराकर मुगल वंश की नींव रखी।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	

बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
हुमायूँ	हुमायूँ मुगल सम्राट बाबर का पुत्र था। बाबर की मृत्यु के पश्चात हुमायूँ ने 1530 में भारत की राजगद्दी संभाली। हुमायूँ की जीवनी का नाम हुमायूँ नामा है	[illegible]	हुमायूँ ने 1530 में भारत की राजगद्दी संभाली।
अकबर	जलालउद्दीन मोम्मद अकबर मुगल सम्राट बाबर का पौत्र और हुमायूँ एवं हमीदा बानो का पुत्र था। बादशाहों में अकबर ही एक ऐसा बादशाह था। जिसे हिंदू - मुस्लिम दोनों वर्गों का बराबर प्यार और सम्मान मिला।	[illegible]	
शाहजहाँ	शाहजहाँ पांचवें मुगल शासक थे। शाहजहाँ अपनी न्यायप्रियता और वैभव-विलास के कारण अपने काल में बहुत लोकप्रिय रहे। इसके साथ ही इनको ऐसे आशिक के तौर पर लिया जाता है, जिसने अपनी बेगम के लिए ताजमहल बनवाया।	[illegible]	शाहजहाँ 5वें मुगल शासक थे। इन्होंने अपनी बेगम के लिए ताजमहल बनवाया।
	मुगल साम्राज्य सन 1526 ई॰ से 1857 ई॰ तक रहा।	[illegible]	मुगल साम्राज्य सन 1526 ई॰ से 1857 ई॰ तक रहा।

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) मुगल साम्राज्य के नींव किसने रखी ?

(2.) सबसे लंबे समय तक कौन सा मुगल सम्राट गद्दी पर रहा ?

गृह कार्य :-

(1.) मुगल साम्राज्य के बारे में विस्तार से लिखें ?

LESSON NO. : 11

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 8th Date 18/09/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic भारतीय संविधान Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट, संकेतक, चार्ट, पाठ्यपुस्तक आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1.) छात्रों में सामाजिक विज्ञान के प्रति रुचि जाग्रत करना।
(2.) छात्रों का सामाजिक व मानसिक विकास करना।
(3.) छात्र देश की राजनीतिक तथा सामाजिक व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को भारतीय संविधान के विषय में जानकारी देना।

बोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों में भारतीय संविधान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को संविधान में विश्व बन्धुत्व कि भावना जाग्रत करना।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र० सं०	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	हमारे देश का नाम क्या है?	भारत
(2.)	हमारे देश में 15 अगस्त क्यों मनाया जाता है?	हमारा देश अंग्रेजों से आजाद हुआ था
(3.)	26 जनवरी क्यों मनाई जाती है?	हमारे देश में संविधान लागू हुआ था
(4.)	भारतीय संविधान के बारे में आप क्या जानते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चो! आज हमलोग 'भारतीय संविधान' नामक पाठ के बारे में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
संविधान का अर्थ	संविधान एक ऐसी क्रिया है। जिसमें कोई भी देश अपने देश को चलाने के लिए कुछ समय और कानून बनाता है। तथा इसी के आधार पर अपने देश को चलाते है। संविधान एक ऐसी किताब है। जिसमें किसी भी		

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
देश से संबंधित सारे नियम और कानून होते है। सभी आप जानते है। आजादी के पूर्व अंग्रेजो का राज था। अंग्रेजो ने ही तय किया कि किस तरह से भारत में कैसे कानून बनेंगे। और कौन उसको लागू करेंगे। यहाँ का शासन उस तरह चलता था।		संविधान में किसी भी देश से संबंधित सारे नियम और कानून होते है।
भारतीय संविधान का निर्माण एक संविधान सभा द्वारा हुआ था। इस संविधान सभा का गठन 1946 में हुआ था। जिसके सारे सदस्य चुनाव द्वारा चुने जाते है। इस संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसम्बर 1946 को डा० सच्चिदानन्द सिन्हा की अध्यक्षता में हुई। इसके पश्चात डॉ० राजेन्द्र प्रसाद को इसका स्थायी अध्यक्ष चुना गया। इसमें 389 लोग थे। जो भारत के हर प्रान्त से आये थे। इसके नाम इस प्रकार है- सरोजनी नायडू, जवाहर लाल नेहरू आदि। संविधान सभा की एक प्रारूप समिति भी बनी।		संविधान सभा का गठन 1946 में हुआ।

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष कौन थे?

(2.) संविधान सभा की प्रथम बैठक कब हुई?

गृह कार्य :-

(1.) संविधान सभा का निर्माण कैसे हुआ?

LESSON NO. : 12

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 8th Date 22/09/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic धर्मनिरपेक्षता Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, झाइन, श्यामपट्ट, संकेतक, पाठ्यपुस्तक, चार्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

1) छात्रों में सामाजिक विज्ञान के प्रति रूचि जागृत करना।
2) छात्रों का सामाजिक व मानसिक विकास करना।
3) छात्र देश की राजनीतिक व सामाजिक व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्र धर्मनिरपेक्षता के समक्ष चुनौतियों को जान सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :- छात्र धर्मनिरपेक्षता की आवश्यकता को समझ सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्र धर्मनिरपेक्षता को समझकर उसे अपने जीवन में उतार सकेंगे।

क्र० सं०	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	भारत में मुख्य रूप से कौन-से धर्म के लोग रहते है?	हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई
(2.)	इन सभी धर्मों के लोगों को कैसा अधिकार प्राप्त है?	समान अधिकार प्राप्त है।
(3.)	सभी को अपने धार्मिक विश्वासों को मानने की पूरी आजादी देना क्या कहलाता है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चो! आज हमलोग 'धर्मनिरपेक्षता' के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट का
स्पष्टीकरण :- धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है कि राज्य राजनीति या किसी गैर-धार्मिक मामलों में धर्म को दूर रखे तथा सरकार धर्म के आधार पर किसी	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	से भेदभाव ना करे। धर्मनिरपेक्ष राज्य में उस व्यक्ति का सम्मान होता है जो किसी भी धर्म को नहीं मानता। भारत में सभी धर्मों को सम्मान समझा जाता है। इसलिए भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	धर्मनिरपेक्षता → सभी धर्मों को समान समझना। किसी भी व्यक्ति से धर्म के आधार पर कोई भी भेदभाव नहीं करना।
धर्म-निरपेक्षता के समक्ष चुनौतियाँ	भारत में धर्मनिरपेक्षता एक जटिल समस्या है - (1) वर्ष 1990 में हजारो कश्मीरी पंडितों को घाटी में अपना घर छोड़ना पड़ा था।		भारत एक धर्म निरपेक्ष देश है।
	(2) वर्ष 2003 में गुजरात दंगों में मुस्लिम समुदाय के लगभग 1000 से अधिक लोग मारे गए थे।		
	भारत में हमेशा से धर्मनिरपेक्षता का मुद्दा सार्वजनिक वाद-विवाद और परिचर्चाओं में मौजूद रहा है।		

निरीक्षण कार्य :-

सब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) धर्म के आधार पर भारत कैसा देश है?

(2.) भारत में मुख्य रूप से कौन-कौन से धर्म के लोग रहते हैं?

गृह कार्य :-

(1.) भारत में धर्मनिरपेक्षता कैसी समस्या है?

(2.) धर्मनिरपेक्षता से आप क्या समझते हैं?

LESSON NO. : 19

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 8th Date 25/07/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic न्यायपालिका Duration of Period

शिक्षण सामग्री :-

चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट, संकेतक, पाठ्य पुस्तक, चार्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों में सामाजिक विज्ञान के प्रति रूचि जाग्रत करना।
2) छात्रों का मानसिक व सामाजिक विकास करना।
) छात्र देश की राजनीतिक व सामाजिक व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

छात्र न्यायपालिका के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

छात्र न्यायपालिका के विभिन्न अंगों में अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

छात्र न्याय से संबंधित ज्ञान का दैनिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र.स.	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	भारत देश के सभी नियम कानून कहाँ लिखे है?	भारतीय संविधान में
(2.)	भारतीय संविधान में नागरिकों के अधिकार कहाँ लिखे है?	मौलिक अधिकार में
(3.)	जब मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है तब हम किसकी सहायता लेते है?	न्यायालय की

न्यायालय का संबंध संविधान के किस समस्यात्मक अंग से है?

प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

बच्चों आज हम सब 'न्यायपालिका' के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	ब्लैकबोर्ड सार
न्यायपालिका	न्यायपालिका संविधान का एक प्रमुख अंग है, हमारे देश में केंद्र एवं राज्यों के लिए पृथक-2		

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
न्याय प्रणाली को न अपना कर एकीकृत न्याय प्रणाली को अपनाया गया है। न्यायपालिका का प्रमुख कार्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के साथ-2 संविधान की रक्षा करना भी है। यह सरकार को निरंकुश होने से रोकती है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	भारतीय न्यायपालिका की व्यवस्था एकीकृत है।
भारत का सर्वोच्च न्यायालय देश का शीर्ष न्यायिक प्राधिकरण है, जिसे भारत का संविधान के भाग 5 अध्याय 4 के तहत स्थापित किया गया है। भारतीय संघ की अधिकतम और व्यापक न्यायिक अधिकारिता उच्चतम न्यायालय को प्राप्त है। भारतीय संविधान के अनुसार उच्चतम न्याया-लय की भूमिका संघीय और भारतीय संविधान के संरक्षक की है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124 से 147 तक वर्णित नियम उच्चतम न्यायालय की संरचना और अधिकार क्षेत्रों की नींव है।		भारत का सर्वोच्च न्यायालय देश का शीर्ष न्यायिक प्राधिकरण है।

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) मौलिक अधिकारों की रक्षा कौन करता है?

(2.) न्यायपालिका का मुख्य कार्य क्या है?

गृह कार्य :-

(1.) भारत की न्यायपालिका व्यवस्था कैसी है?

LESSON NO. : 14

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 8th Date 22/9/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic वनों का महत्व Duration of Period

शिक्षण सामग्री :-

चॉक, झाड़न, ग्रामपट्ट, संकेतक, पाठ्यपुस्तक, चार्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

छात्रों में सामाजिक विषय के प्रति रुचि जाग्रत करना।
छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न करना।
छात्रों को मानव जीवन पर पड़ने वाले भौगोलिक परिस्थितियों के प्रभावों के बारे में बताना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

छात्र वनों के महत्व की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

छात्रों को वनों का बोध कराना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

छात्र वन के संरक्षण के बारे में लोगों को जागरूक कर सकेंगे।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र. सं.	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	बच्चों, हमलोग किस देश में रहते है?	भारत में
(2.)	भारत के अधिकांश लोग कहाँ निवास करते हैं?	गावों में
(3.)	गावों के ज्यादातर लोग भोजन किससे बनाते है?	लकड़ी से, गैस से, कोयले से
(4.)	लकड़ी अधिकतर कहाँ से प्राप्त होती है?	वनों से, पेड़ से
(5.)	वनों के महत्व के बारे मे विस्तार से बताइए	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

~~अच्छी~~ अच्छा बच्चो ! आज हमलोग 'वनों का महत्व' पाठ के बारें में विस्तार से पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

ा बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
ों का	जब किसी क्षेत्र या स्थान पर बहुत से पेड़-पौधे खुद से, उपयुक्त भूमि		

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
और वर्षा मिलने से उग जाते है, तो उस क्षेत्र को वन क्षेत्र कहते है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	जब किसी क्षेत्र में खुद से पेड़-पौधे अत्यधिक मात्रा में उग जाते है जो उसे वन क्षेत्र कहते है।
स्पष्टीकरण :- वन प्रकृति का संतुलन बनाये रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते है, वन वातावरण का शुद्धिकरण करते है। वनों के कारण मनुष्य और जीवों को आक्सीजन प्राप्त होता है। वन पानी का भरपूर संरक्षण करते हैं जिससे भूमिगत जल समस्या उत्पन्न नहीं होती। वन अधिक वर्षा के समय मिट्टी के कटाव को रोकते है। इसलिए हमें समझना होगा कि अगर वृक्ष नहीं होंगे तो हम भी नहीं बचेंगे। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाने चाहिए और जो पेड़-पौधे हमारे आस-पास है उन्हें नहीं काटना चाहिए। सबसे अधिक पेड़ वर्षा ऋतु में लगाए जाते है।		सबसे अधिक पेड़-पौधे वर्षा ऋतु में लगाए जाते है।

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे श्यामपट्ट कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) किस ऋतु में पौधे ज्यादा उगते है?

(2.) आक्सीजन हमें कहाँ से प्राप्त होता है?

गृह कार्य :-

(1.) वनों के महत्व पर एक पेज का निबन्ध लिखकर लाना है?

LESSON NO. : 15

Pupil Teacher's Roll No. 16 Name निशा

Class 8th Date 31/09/2020

Subject सामाजिक विज्ञान Period

Topic मौलिक अधिकार Duration of Period

सहायक सामग्री :-

चॉक, झाड़न, श्यामपट्ट, संकेतक, पाठ्यपुस्तक, चार्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :-

(1.) छात्रों में सामाजिक विषय के प्रति रूचि जाग्रत करना।
(2.) छात्रों में लोकतान्त्रिक नागरिकता का विकास करना
(3.) छात्रों को नागरिक कर्तव्यों से अवगत कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

छात्र संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

छात्रों में मौलिक अधिकारों से संबंधित जानकारी प्राप्त करने में रूचि जाग्रत करना।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

छात्र संविधान में वर्णित मौलिक अधिक
को समझकर निष्कर्ष निकाल सकेंगे।

प्रस्तावना प्रश्न :-

क्र. सं.	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
(1.)	भारत के राष्ट्रीय पर्व कौन-2 से हैं?	गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयन्ती।
(2.)	गणतन्त्र दिवस कब मनाया जाता है?	26 जनवरी को
(3.)	26 जनवरी सन् 1950 को क्या लागू हुआ था?	हमारा संविधान
(4.)	संविधान में नागरिकों के अधिकार कहाँ लिखे हैं?	मौलिक अधिकारों में
(5.)	मौलिक अधिकार कितने हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चो! आज हमलोग 6 मौलिक अधिकार के बारें में विस्तार से पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
मानव अधिकार	मानव अधिकार जन्म से प्रारम्भ होकर जीवन भर साथ रहते हैं, चाहे व्यक्ति किसी भी सामाजिक आर्थिक स्तर, जाति व किसी भी धर्म से हो, 10 दिसम्बर 1948 को	सभी छात्र कॉपी में लिख रहें है।	मानवाधिकार दिवस 10 Dec. को मनाया जाता है।

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की, इसी दिन को पूरा विश्व मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाता है।	सुनेंगे देखेंगे	मौलिक अधिकार- (1.) समानता का अधिकार (2.) शोषण के विरुद्ध अधिकार (3) स्वतंत्रता का अधिकार (4.) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (5.) संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार
हमारे मौलिक अधिकार	अपने गाँव, शहर में हम अपनी बात सबसे कहते रहते हैं, देश- प्रदेश में कहीं भी आते जाते रहते हैं, इन सभी को मिलाकर हमारे 6 मौलिक अधिकार है। मौलिक अधिकार वे है जो एक व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास के लिए अनिवार्य है। इनका उपयोग सभी लोगों के लिए समान है।	जानेंगे समझेंगे	
संविधान भाग 3	संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मौलिक अधिकारों की व्याख्या की गयी है। ये अधिकार न्यायसंगत है, भारतीय संविधान मौलिक अधिकारों की गारण्टी लेता है। अनुच्छेद 12 से लेकर 35 तक कुल 6 मौलिक अधिकार है। मूल संविधान में 7 मौलिक अधिकार थे। लेकिन 1978 में 44 वें संविधान संशोधन द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को हटा दिया गया।	लिखेंगे	

निरीक्षण कार्य :-

जब सभी बच्चे क्लासवर्क कार्य को अपनी कॉपी में लिख रहे होंगे तो छात्राध्यापिका उनके चारों ओर घूमकर उनका निरीक्षण करेगी तथा आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करेगी।

मूल्यांकन कार्य :-

(1.) मानवाधिकार दिवस कब मनाया जाता है?

(2.) मूल संविधान में कितने मौलिक अधिकार थे?

गृह कार्य :-

छात्र घर से सभी मौलिक अधिकारों के बारे में लिखकर लायेंगे।